News item/letter/article/editorial published on 28/11/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune ✓
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Will take SYL waters issue to people of Punjab, says Barala

SUSHIL MANAV
TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, NOVEMBER 24

The state BJP will take the issue of the Sutlej-Yamuna Link (SYL) canal and Haryana's right over river waters to the people of Punjab during the upcoming Assembly poll in the neighbouring state.

Talking to The Tribune yesterday, state BJP president Subhash Barala said leaders in Punjab had made the SYL canal an emotive issue in political one-upmanship while people in that state would appreciate Haryana's right over the river waters.

He said the same political leaders had welcomed the decision when then Prime Minister Indira Gandhi laid the foundation stone of the SYL canal at Kapoori in Patiala district in 1982, but were now vying with each other to deny Haryana its right.

"We will tell the people of Punjab during our campaign that the elder brother of Haryana should honour

Subhash Barala

the commitments made at the time of division of assets between the two states," Barala said.

Asked whether the Punjab unit of the BJP shared his view on the SYL canal, he said party leaders of that state were free to have their own point of view, but as far as the Haryana BJP was concerned, its stand was clear and firm.

"After the Supreme Court verdict on Presidential reference, our party met the Punjab Governor, requesting him not to give assent to any Bill contrary to the decision of the Punjab Assembly. We sought time from the President after the all-party meeting and would seek time from the Prime Minister as well," he said.

Terming Prime Minister Narendra Modi's decision on demonetisation as a big step towards eradication of black money, Barala said opposition parties had been indulging in false propaganda on the issue.

Brushing aside reports of hardship to farmers due to demonetisation, he claimed that not a single agitation by farmers had been witnessed in the past few days.

The state BJP president said a majority of farmers had already sown their wheat crop and maintained that the delay by some others was largely due to delay in preparation of fields due to ban on burning of stubble.

He said the BJP would observe Ambedkar Jayanti, falling on December 6, as 'Samrasta Diwas' and the birthday of former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee on December 25 as 'Susashan Diwas'.

3
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on November 24.11.2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

एन में

जल, शांति एवं सुरक्षा पर खुली बहस

जल को सहयोग का वाहक बनाने पर जोर

क्त राष्ट्र, (भाषा): भारत ने जल
ी संघर्षों की संभावना को नकारे
जा सकने की बात रेखांकित
हुए कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय
ाय को जल मामलों को 'सुरक्षा
ामले से जोड़ने' का रुख
ाने पर विचार करने के बजाए
सहयोग का वाहक' बनाने का
तय करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी
निधि सैयद अकबरूद्दीन ने जल,
एवं सुरक्षा पर खुली बहस के
कल यूएनएससी में कहा,
धुनिक दुनिया में और अंदरूनी
जकता की हमारी मौजूदा समझ
हमारी साझी पर्यावरणीय
तियों के मद्देनजर हमें जल
लों को सुरक्षा के विषय से जोड़ने
ख अपनाने पर विचार करने के
ए जल को अंतर्राष्ट्रीय संवाद के अहम शब्द के रूप में सहयोग का वाहक बनाने का लक्ष्य तय करना चाहिए।'' भारतीय राजनयिक ने कहा, 'सहयोग का' रुख अपनाने से वास्तविक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विकसित होगा। पानी जैसे जटिल एवं जीवन के लिए अहम मामले पर दूसरा (पानी को सुरक्षा का मामले से जोड़ने का) मार्ग अपनाने से पूरी मानवता के साथ अन्याय होगा।''

पानी जैसे जटिल मामले पर दूसरा मार्ग अपनाने से पूरी मानवता के साथ अन्याय होगा

अकबरूद्दीन ने पिछले सात दशक में 60 अंतर्राष्ट्रीय जलमार्गों पर हुई 200 संधियों का जिक्र करते हुए कहा कि अनुभव दर्शाता है कि जल निकायों के एक से अधिक देशों की सीमा से गुजरने की प्रकृति के मामलों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है और प्रत्येक विशिष्ट उदाहरण की अपनी अलग विशेषताएं हैं।

उन्होंने कहा कि संबंधित देशों ने अपने सामूहिक हित के विशेष संदर्भों में सहयोग के मार्ग तलाशे हैं। अकबरूद्दीन ने कहा कि भारत कई विभिन्न नदियों के प्रवाह की दिशा में नीचे की ओर और कई में ऊपर की ओर स्थित है और वह एक से अधिक देशों की सीमाएं पार करने वाली नदियों के जल के सहयोगात्मक प्रबंधन संबंधी विषयों से परिचित है।

उन्होंने कहा, ''भारत के 1947 में विभाजन के साथ ही पश्चिम और पूर्व में नदियों का भी विभाजन हो गया था। हमने हमारे पड़ोसियों के साथ साझी नदियों का जल प्रबंधन किया है। एक से अधिक देशों की सीमाओं से गुजरने वाली नदियों के जल आवंटन संबंधी 1966 हेलसिंकी सिद्धांतों के कई साल पहले वर्ष 1960 में ऐतिहासिक सिंधु जल संधि को अंतिम रूप दिया गया।''

अकबरूद्दीन ने कहा, ''इसके अलावा भी जल साझा करने को लेकर हम हमारे पड़ोसियों के साथ सहयोगात्मक प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जल मनुष्य की सुरक्षा समेत मानव अस्तित्व के हर पहलू पर प्रभाव डालता है।

News item/letter/article/editorial published on 25/11/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

मौसम... पत्रिका 25-11-16

दिसंबर से देखने को मिलेगी कोहरे की चादर

नई दिल्ली @ पत्रिका. जिन तूफानों से दुनिया डरती है, वे इस बार नहीं आए तो उत्तर भारत में मौसम की चाल ही बिगड़ गई है। नवम्बर की शुरूआत के साथ ही कोहरे के आगोश में चले जाने वाले राज्यों को इस बार कोहरे की चादर दिसम्बर में ही देखने को मिलेगी। तेजी से रंग बदलने वाले मौसम की धीमी चाल का कारण वह पश्चिमी विक्षोभ है जो तूफानों से ताकत हासिल करता है।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक हिमालयी राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम होने से इस बार उत्तरी हवाएं गति नहीं पकड़ सकी हैं, इसके चलते अभी तक पहाड़ों में बर्फबारी नहीं हो पाई है। विज्ञानियों के मुताबिक अक्टूबर के अंत और नवम्बर की शुरूआत में बर्फबारी हुई अवश्य लेकिन वह बहुत मामूली थी। इस वजह से दिल्ली समेत तमाम उत्तरी राज्यों में अभी तक कोहरे का आगमन नहीं हो पाया है। इसी कारण अक्टूबर नवम्बर में होने वाली बारिश भी नहीं हुई जिससे अभी तक सुबह-शाम की सूखी सर्दी ही दिख रही है।

विज्ञानियों के अनुसार अक्टूबर से जनवरी तक देश के समुद्र तटीय इलाकों में पानी बरसाने वाला उत्तर-पश्चिम मानसून भी कमजोर है।

News item/letter/article/editorial published on 25/11/16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

बाढ़ संबंधी 98 फीसदी चेतावनी सही

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि हर साल बाढ़ से संबंधित करीब छह हजार चेतावनी जारी की जाती हैं जिनमें से 98 फीसदी सही निकलती हैं। जल संसाधन और नदी विकास राज्य मंत्री संजीव बालियान ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी चेतावनी की सूचनाएं केंद्रीय जल आयोग के द्वारा गठित नेटवर्क के जरिये दी जाती है।

25/11/16

.3
Covering L., YIS